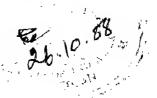


MHIMITEUT EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ३—उप-७०६ (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



स॰ 610]

नई विल्ली, मंगलबार, वितम्बर 8, 1987/अग्रहायण 17, 1909

No. 610] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 8, 1987/AGRAHAYANA 17, 1909

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संस्था की बाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कर में रका का सब्दे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रासय

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1987

अधिसूचना

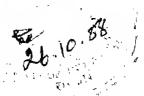
का.आ. 1039(अ): —संविधान के अनुष्छेद 371 (च) के खंड (क) द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा, इससे उपावद अनुसूची में विनिर्विष्ट अधिनियमिति का, निम्निलिखित उपातरणों के अधीन रहते हुए, सिनिकम राज्य पर विस्तार करते हैं, अर्थात् :—

 उक्त अधिनियमिति में किसी ऐसी विभि, जो सिक्किम राज्य में प्रवृत्त नहीं है या किसी ऐसे कृत्यकारी, जो उस राज्य में विधामान नहीं है, के प्रति निर्देश



WHIWITETT EXTRAORDINARY

भाग II—वच्छ ३—उप-वच्छ (li)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से अकरीयत
PUBLISHED BY AUTHORITY



40 010]

नई विक्ली, मंगलबार, विसम्बर 8, 1987/लग्रहामण 17, 1909

No. 610] New Delhi, Tuesday, December 8, 1987/Agrahayana 17, 1909

इस भाग में भिन्न पड़्ट संस्था की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

मई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1987

अधिसुचना

का.आ. 1039(अ): —संविधान के अनुष्छेद 371 (च) के खंड (ढ) हारा प्रवस्त गहितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतब्हारा, इससे उपावड अनुसूची में विनिर्विष्ट अधिनियमिति का, निम्निलिखित उपातरणों के अधीन रहते हुए, सिविकम राज्य पर विस्तार करते हैं, वर्षात:——

(1) उस्त अधिनियमिति में किसी ऐसी विधि, जो सिक्किम राज्य में प्रवृत्त नहीं है या किसी ऐसे कृत्यकारी, जो उस राज्य में विधामान नहीं है, के प्रति निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस राज्य में प्रमुक्त तत्स्थानी निधि थ। विद्यमान तत्स्यानी कृत्यकारी के प्रति निर्देश है :

परन्तु यह कि यदि यह प्रश्न उठता है कि ऐसा तत्स्वानी कृत्यकारी कौन है, या यदि कोई ऐसा तत्स्वानी कृत्यकारी नहीं है, तो केन्द्रीय सरकार यह विनिज्नय करेगी कि ऐसा कृत्यकारी कौन होगा और केन्द्रीय सरकार का विनिज्नय अंतिम होगा।

(2) प्रत्येक ऐसी अधिनियमिति के प्रारंभ के लिए उसका मुसंगत उपबंध, यदि कोई है, में किसी बात के होते हुए भी, ऐसी अधिनियमिति के उपबंध सिक्किम राज्य में ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे, जो केन्द्रीय सरकार राजपत में अधि-सुक्ता द्वारा नियद करे:

परन्तु यह कि किसी अधिनियमिति के विभिन्न उपबंधों के लिए और सिनिकम राज्य में विभिन्न केंद्रों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सर्वेगी और अधिनियमन के प्रारंभ के बारे में किसी ऐसे उपबंध में किसी निर्देश का यह अर्थ समाया जाएमा कि वह उस उपवंध के उस क्षेत्र में, जहां उसे प्रवृत्त किया गया है, प्रवृत्त करने के प्रति निर्देश है।

ननुसुची

वर्ष	संख्याक	संकिप्त नाम
1968	46	कीटनाशी अधिनियम, 1968

MINISTRY OF HOME AFFAIRS. New Delhi, the 2nd December, 1987.

NOTIFICATION

S.O. 1039(E).—In exercise of the powers conferred by clause (n) of article 371 P of the Constitution, the President hereby extends to the State of Sikkim

the enactment specified in the Schedule annexed hereto subject to the following modifications, namely:—

(1) Any reference in the said enactment to a law not in force or to a functionary not in existence, in the State of Sikkim, shall be construed as a reference to the corresponding law in force, or to the corresponding functionary in existence, in that State:

Provided that if any question arises as to who such corresponding functionary is or if there is no such corresponding functionary, the Central Government shall decide as to who such functionary will be and the decision of the Central Government shall be final.

(2) Notwithstanding anything contained in the relevant provision, if any, of such enactment for the commencement thereof, the provisions of such enactment shall come into force in the State of Sikkim on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint:

Provided that different dates may be appointed for different provisions of the enactment and for different areas in the State of Sikkim and any reference in any such provision to the commencement of the Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision in the area where it has been brought into force.

SCHEDULE

Year	No.	Short Title
1968	46	The Insecticides Act, 1968

Sd.|-

(R. VENKATARAMAN), PRESIDENT

[No. 11013|2|87-NE-III] R. K. TANDON, Dy. Secy. (NE)